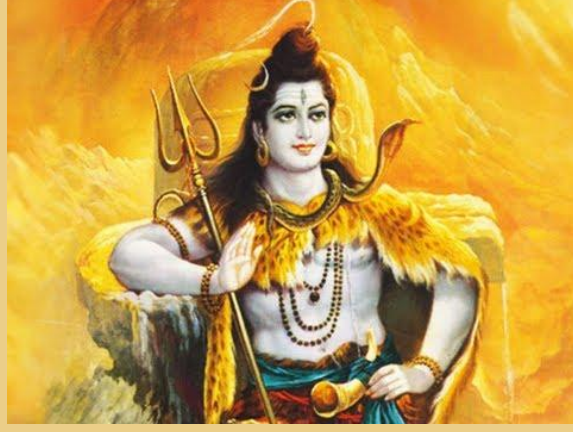


# शिव पंचक्षरी स्तोत्र



नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय ।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै “न” काराय नमः शिवाय ॥ 1 ॥

मन्दाकिनी सलिल चन्दन चर्चिताय नन्दीश्वर प्रमथनाथ महेश्वराय ।

मन्दार मुख्य बहुपुष्प सुपूजिताय तस्मै “म” काराय नमः शिवाय ॥ 2 ॥

शिवाय गौरी वदनाब्ज बृन्द सूर्याय दक्षाध्वर नाशकाय ।

श्री नीलकण्ठाय वृषभध्वजाय तस्मै “शि” काराय नमः शिवाय ॥ 3 ॥

वशिष्ठ कुम्भोद्भव गौतमार्य मुनीन्द्र देवार्चित शेखराय ।

चन्द्रार्क वैश्वानर लोचनाय तस्मै “व” काराय नमः शिवाय ॥ 4 ॥

यज्ञ स्वरूपाय जटाधराय पिनाक हस्ताय सनातनाय ।

दिव्याय देवाय दिगम्बराय तस्मै “य” काराय नमः शिवाय ॥ 5 ॥

पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिव सन्निधौ ।

शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥